भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) का न्यूज लेटर

BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

विक्रम सम्वत् - 2080 ● मासिक पत्र : अप्रैल 2023 ● पृष्ठ : 6 ● दिल्ली

चिट्ठी मेरे गांव की 3.0

भिवानी परिवार मैत्री संघ का चिट्ठी मेरे गांव की नाम से एक अनूठा होली मिलन कार्यक्रम सांसद श्रीमती सुनीता दुग्गल के निवास स्थान पर किया गया। दीप प्रज्ज्वलन श्रीमती सुनीता दुग्गल (सांसद), श्री राजेश दुग्गल (एसएसपी, पलवल), राष्ट्रीय कवि संगम के संस्थापक जगदीश मित्तल, श्री आर सी मेहतानी, सेंचुरी प्लाईवुड से श्री प्रेम भजनका, सुंदरदीप ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस से श्री महेंद्र अग्रवाल, डॉलर ग्रुप से श्री प्रमोद गुप्ता, एसीपी श्री राजेंद्र कलकल, संस्था की निवर्तमान प्रधान श्री नवल किशोर गोयल, अग्रवाल पैकर्स एंड मूवर्स एवं सेवा भारती दिल्ली प्रांत के अध्यक्ष श्री रमेश अग्रवाल, श्री नरेंद्र सिंघानिया सहित अनेक गणमान्य लोगों द्वारा किया गया।

इस भव्य समारोह में राजनीति क्षेत्र से सांसद सुनीता दुग्गल के अलावा नवनिर्वाचित निगम पार्षद श्री धर्मवीर शर्मा, सुश्री स्मिता कौशिक, श्रीमती शिखा भारद्वाज एवं श्रीमती सविता पवन शर्मा भी उपस्थित थे। इस समारोह में भिवानी जिलें से जुड़े राजनेताओं में श्री अजय गुप्ता एवं श्रीमती दर्शना गुप्ता के अलावा उच्चाधिकारी, उद्योगपति, डॉक्टर एडवोकेट, सीए, पत्रकार, संस्था के संरक्षक एवं भिवानी गौरव अवार्ड से सम्मानित सोनोटेक कैसेट्स के चेयरमैन हंसराज रल्हन समेत अन्य विशिष्टजन उपस्थित रहें। चंदन का टीका, गुलाल, हास्य-व्यंग्य, नृत्य संगीत, फूलों की होली, पुरानी दिल्ली की चाट, कुल मिलाकर एक ऐतिहासिक होली मिलन।

संस्था के प्रधान राजेश चेतन ने सभी महानुभावों का स्वागत एवं परिचय दिया। मंच का कुशल संचालन संस्था के प्रचार मंत्री श्री प्रमोद शर्मा ने किया। इस समारोह को सफल बनाने के लिए कार्यक्रम के संयोजक श्री सुशील गणोत्रा, श्री पवन मोड़ा, श्री विनय सिंघल एवं समस्त कार्यकारिणी का योगदान रहा।

भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) की मुख्य मासिक पत्रिका

BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

सम्पादक

जगत नारायण भारद्वाज

सह-सम्पादक

सुनीता शर्मा व मनीष गोयल

प्रबंध-सम्पादक

सुश्री मंजीत मरवाहा

कार्यालय

भिवानी परिवार मैत्री संघ, पंजीकृत (BPMS)

प्लॉट-1, पॉकेट 8ए, बैंक ऑफ बड़ौदा के ऊपर, सैक्टर-15, रोहिणी, दिल्ली-89

दूरभाष : 9999305530, E-mail: admin@ebhiwani.com

http://www.ebhiwani.com

सम्पादकीय

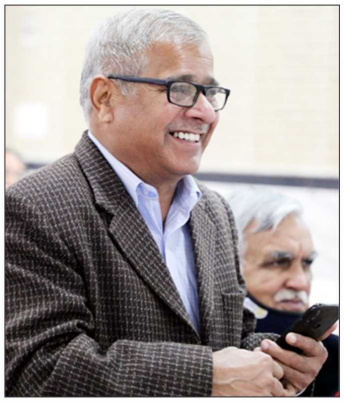

श्री जगत नारायण भारद्वाज
9416376123

श्री चंद्रसेन जैन

श्री चंद्रसेन जैन भिवानी की भूमि पर जन्म लेकर इसी को अपनी कर्मभूमि बनाया। आपका विवाह तिगड़ाना में तायल परिवार की सुश्री चमेली देवी जैन से हुआ। भिवानी टेक्सटाइल मिल में 40 वर्षों तक लिपिक के रूप में कार्य किया। मजदूर नेता के रूप में आपने एक आदर्श स्थापित किया। यही कारण था कि आप लिपिक से ही सेवानिवृत्त हो गए।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आप एक कर्मठ कार्यकर्ता रहे। पूर्वांचल के कपड़ा मजदूरों के साथ मिलकर मानस प्रचार मंडली बनाकर अखंड रामायण पाठ की लंबी परंपरा अपने क्षेत्र में कायम की। आप अपनी कुशल वक्तृता के लिए जाने जाते है। अनेक राजनैतिक और सामाजिक सभाओं का कुशल संचालन आपके द्वारा किया जाता रहा।

सात भाई बहनों के परिवार साथ-साथ अंधे माता पिता की सेवा में कमी नहीं आने दी। परिवार के साथ-साथ अंतिम क्षण तक समाज की बराबर चिंता आप करते रहे। अंतिम एक वर्ष किडनी की बीमारी से ग्रस्त होते हुए भी आप अपने कर्तव्यपथ पर अडिग रहते हुए हंसते हंसते जिजीविषा भाव के प्रेरक बने रहे। आपके दोनों सुपुत्र श्री मनोज एवं श्री राजेश चेतन आप की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं।

दानशील व प्रखर वक्ता श्री राजेश चेतन ने अपनी ओजस्वी काव्यधारा के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नाम कमाया है। आपने राष्ट्रभाव को सबलता प्रदान कर भारतीय संस्कृति के उज्जवल पक्ष को अपनी रचनाओं में उकेरा है।

आगामी कार्यक्रम

भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.)

उषा चेतना स्मृति

विशाल हेल्थ चेकअप एवं रक्तदान शिविर 3.0

स्मृति शेष

भिवानी परिवार दिवंगत आत्मा के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है

स्व. श्री बी. एस. गुप्ता जी
11 मार्च 2023

श्री बी.एस. गुप्ता, ऐसे गौरवशाली व्यक्तित्व के धनी जिनके सत्कर्म और उच्च आदर्श की पताका हमेशा लहलाती रहेगी। वे विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं से जुड़े रहे और अपने जुझारूपन और कर्मठता संग अग्रणीय भूमिका निभाते रहे। व्यवसायिक क्षेत्र में उंचाइयों के आयामों को उन्होंने छुआ। उनकी गणना हमेशा प्रतिष्ठित और गणमान्य टेक्सटाइल व्यापारी के रूप में रहेगी। विभिन्न राजनीतिक गलियारों में उनका विशिष्ट स्थान रहा। कोई भी दल प्रत्याशी हो, उनके आशीर्वाद की चाहत हमेशा सबको रही।

स्व. श्री श्याम लाल गुप्ता जी
19 मार्च 2023

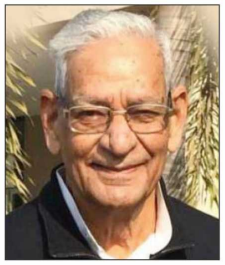

स्व. श्री कुलदीप राज महाजन जी
20 मार्च 2023

कुलदीप राज महाजन जी ऐसे व्यक्तित्व का नाम हैं, जिनका जीवन रिश्तों को मधुर बनाने के मामलें में हमेशा अनुकरणीय रहेगा। उनके आचरण से हमेशा किसी न किसी को एक ऐसा संस्कार मिला जो जीवन को परस्पर जीने के लिए उनके लिए एक अद्भुत मंत्र हैं।

जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं

श्री जगत नारायण भारद्वाज
मुख्य संपादक-बीपीएमएस न्यूज लेटर
2 अप्रैल

भिवानी गौरव
श्री इन्द्रपाल सिंह लाम्बा
3 अप्रैल

श्री संदीप अग्रवाल
संयोजक : बहादुरगढ़ इकाई
4 अप्रैल

संरक्षक
श्री अरविंद कुमार चौधरी
6 अप्रैल

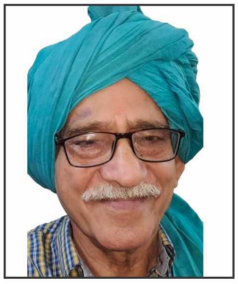

भिवानी गौरव
श्री जनार्दन शर्मा
7 अप्रैल

सी.ए. श्री गौरव अग्रवाल
संयोजक : सीए समिति
7 अप्रैल

संरक्षक
श्री पंकज जैन
15 अप्रैल

श्रीमती पूजा बंसल
सदस्य : कार्यकारिणी
17 अप्रैल

संरक्षक
श्रीमती रमन सांगवान
17 अप्रैल

भिवानी गौरव
श्री विजेन्द्र गाफिल
17 अप्रैल

भिवानी गौरव
श्री सूबे सिंह तंवर
18 अप्रैल

संरक्षक
श्री राजीव गुप्ता
19 अप्रैल

भिवानी गौरव
श्री अनिल अग्रवंशी
21 अप्रैल

संरक्षक
श्री संजय कुमार अग्रवाल
22 अप्रैल

श्री उमेश मित्तल
सदस्य : कार्यकारिणी
22 अप्रैल

ओजस्विनी
श्रीमती वंदना वत्स
23 अप्रैल

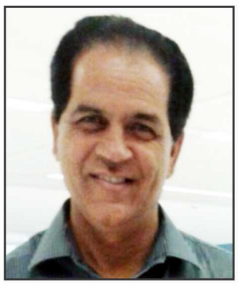

भिवानी गौरव
श्री दर्शन कुमार मिड्ढा
26 अप्रैल

जय भवानी-जय भिवानी अखंड ज्योत रथ यात्रा 2.0

नई दिल्ली। चैत्र नवरात्र एवं नव विक्रम संवत् 2080 के अवसर परभिवानी परिवार मैत्री संघ ने भिवानी जिले के तीन प्रमुख देवी मंदिरों को दिल्ली एनसीआर से जोड़ने के लिए पहाड़ी माता मंदिर देवसर धाम और भोजा वाली देवी मंदिर भिवानी से लेकर दिल्ली एनसीआर तक नौ दिवसीय जय भवानी-जय भिवानी अखंड ज्योत रथ यात्रा 2.0 (22 मार्च 2023 से 30 मार्च 2023) का भव्य आयोजन किया है।

यह यात्रा प्रथम नवरात्र में विश्व प्रसिद्ध पहाड़ी माता मंदिर से आरंभ की गई। मां के दरबार में श्रीमती संतोष देवी एवं श्री शंकर लाल नकीपुरिया ने मां की ज्योत प्रज्वलित की।

उसके बाद यात्रा देवसर धाम पहुंची वहाँ श्रीमती लता एवं श्री पवन मोडा ने ज्योत प्रज्वलित की और उसके बाद यात्रा भोजावाली माता भिवानी पहुंची जहां श्रीमती सत्यभामा औरश्री अशोक गुप्ता ने ज्योत प्रज्वलित की और माँ की आराधना की । पूजा के बाद यजमान परिवार ने गाजे.बाजे के साथ धूमधाम से इष्ट मित्रों के संग अखंड ज्योत को रथ में स्थापित किया ।

ज्योत का स्वागत रास्तें में पड़ने वाले गांवों में बड़े ही हर्षोलास के साथ किया गया। भिवानी में अग्रवाल वैश्य समाज द्वारा श्री राम कुंज में शाम को माता की चौकी का भव्य आयोजन किया। जहांभिवानी के बहुत से गणमान्य लोग उपस्थित थे।

द्वितीय नवरात्र से रामनवमी तक दिल्ली-एनसीआर में यात्रा के यजमान परिवारों द्वारा अखंड ज्योत का भव्य स्वागत किया गया, जिसमें प्रात: यज्ञ और सायं माता की चौकी का कार्यक्रम रहा।

जय भवानी-जय भिवानी अखंड ज्योत रथ यात्रा की कुछ झलकियां

जय भवानी-जय भिवानी अखंड ज्योत रथ यात्रा की झलकियां

मेरी कलम से

रूबाईयां 'एक अध्ययन'

सुश्री मंजीत मरवाहा

'दुनिया जो संवर जाए, संवर जाने दे
दुनिया जो बिखर जाए, बिखर जाने दे
ये फुर्सत-नज्जारा गनीमत है 'फिराक'
दिल पे जो गुजर जाए, गुजर जाने दे।

फिराक गोरखपुरी की लिखी ये रूबाई दार्शनिक है। जो वर्तमान में जीना सिखाती है। रूबाई एक काव्य विधा है। रूबाई अरबी भाषा के शब्द 'रूबा' से निकला है जिसका अर्थ होता है चार। रुबाई में छंदों का विधान है। रुबाई चार पंक्तियों की कविता है जिसकी पहली, दूसरी और चौथी पंक्तियां तुकात्मक होती है और तीसरी पंक्ति आजाद रखी जा सकती है । रुबाई का अपना एक छंद होता है। जिसे गुणी लोग ही समझ पाते हैं। इकबाल की रुबाई है-

'रगों में वो लहू बाकी नहीं है
वो दिल वो आरजू बाकी नहीं है
नमाजो-रोज़-ओ-कुर्बानि ओ-हज
ये सब बाकी है तू बाकी नहीं है
रुबाई लय में और छंद बद्ध होती है।

छंद के बारे में कहा जाता है कि 251 ईसवी में अरब के एक इलाके में सुलतान याकूब का लड़का गोलियों (कंचों) से खेल रहा था। एक गोली के लुड़कने पर उसने खुशी से कुछ ऐसे लफ्ज कहे जिनमें एक खास लय थी। उस समय के शायर रोदवी ने इसी लय में तीन पंक्तियां और जोड़ दी । इस तरह रुबाई और इसका छंद वजूद में आया।

पहली रुबाई तो अरब की देन है लेकिन 12वीं सदी में इस विधा को शोहरत मिली उमर खैयाम की रुबाइयों से। वो ईरान के रहने वाले थे। उमर खैयाम की रुबाइयों को अंग्रेजी भाषा के कवि एडवर्ड फिट्न जेराल्ड ने (1809-1883) अंग्रेजी में अनुवाद किया और रुबाईयों को पहचान मिली। खैयाम ने जीवन की अर्थहीनता में व्यक्तिगत अर्थ की खोज को बार बार दोहराया।

फिराक गोरखपुर का शेर है-

जिन्दगी क्या है आज इसे
दोस्त सोच लें और उदास हो जाएं।

वे उदास होने के लिए सोच की शर्त रखते थे और खैयाम इस सोच को भूलकर सांसों को गवारा बनाते हैं। एक स्तर पर खैयाम की यह सोच माया दर्शन से मिलती जुलती है। फर्क इतना है कि कबीर ने माया को महाठगनी कहा। उर्दू साहित्य में बेशक उस कविता को रुबाई कहा गया जिसमें एक ही विचार प्रकट किया जाता है । ज्यादातर ये विचार दार्शनिक होते हैं। रुबाई के लिए 24 वजन (छंद) इस्तेमाल में लाए जाते हैं। अगर इनमें से किसी पर भी ये नज्म न कही गई हो तो वो रुबाई नहीं कहलाती। रुबाई इन्हीं 24 छंदों में लिखी जाती है। ये 24 छंद रुबाई के लिए हैं-जैसे कि एक छंद

मफऊलुन मफऊलुन मफऊलुन फा

एक मीटर है, वज़न है।

रुबाई के चार मिसरे इस तरह कहे जाते है कि पहले दों मिसरों के बाद तीसरे मिसरे में कोई ऐसी बात कही जाती है जिससे पहले दो मिसरे सीधे तौर पर चौथे मिसरे से जुड़ जाते हैं और बात मुक्कमल हो जाती है।

पहला, दूसरा और चौथा मिसरा को हम काफिया कहते हैं। मगर चारों मिसरो (लाईनों) में भी काफिया इस्तेमाल हो सकता है। रुबाई को फारसी भाषा में 'तराना' भी कहते हैं। रुबाई वो नज्म है जो चार मिसरों में कही जाती है। रुबाई के चारों मिसरे इन 24 छंदों में से किसी एक छंद में होते हैं। रुबाइयां तकरीबन सभी शायरों ने लिखी है। हिंदी के नए कवि 'मुक्तक' के नाम से भी रुबाइयां लिखते है। हम काफिया भी रुबाई में इस्तेमाल होता है जिसमें एक ही काफिया और रदीफ है।

जैसे-खिल खिलए हिल हिल। यह काफिया भी है और रदीफ भी

हरिवंशराय बच्चन भी ईरान के बोहेमियन महाकवि के जादू से नहीं बच पाए। बच्चन जी अंग्रेजी के शिक्षक थे। उन्होंने शेक्सपीयर के कई नाटकों का हिन्दी में अनुवाद दिया। इन्होंने रुबाई के विशेष छंद को छोड़कर अपने ही मीटर में मधुशाला की चौपाइयों की रचना की। मधुशाला की रुबाइयों का प्रथम पाठ बच्चन जी ने 1934.35 में बनारस में किया। मधुशाला हिन्दी काव्य साहित्य के संसार में अपना मेयार आप है। वो कहते हैं-

'बैर बढ़ाते मन्दिर मस्जिद, मेल कराती मधुशाला'

जोश मलीहाबादी कहते है-

ये दिल की है वो बात नहीं होती है
जो दिन ना हो वो रात नहीं होती है
हस्ती है वो तूफान कि अक्सर 'जोश'
अपने से मुलाकात नहीं होती है

चेतन वाणी

कवि राजेश चेतन

सत्य अहिंसा पर जो चलता महावीर हो जायेगा
पर पीड़ा को देख पिघलता महावीर हो जायेगा

मांस,बीफ, अंडे को छोड़ो शाकाहारी बन जाओ
जैन फूड से बालक पलता महावीर हो जायेगा

क्षमा भाव को मन में रखकर सब जीवों को क्षमा करो
दया भाव के संग सरलता महावीर हो जायेगा

बारूदी हों या परमाणु सब युद्धों को बंद करो
शांति ! शांति !! का मंत्र मचलता महावीर हो जायेगा

क्रोध घृणा और वैर भाव का परित्याग करना होगा
मन में जागे जब निर्मलता महावीर हो जायेगा

जीवन एक कला है प्यारे, सुख दु:ख में समभाव रहे
दुक्खों में भी चेहरा खिलता महावीर हो जायेगा

सीमित साधन सादा जीवन तप संयम स्वीकार करो
दीप नहीं फिर जीवन जलता महावीर हो जायेगा

बीपीएमएस की सेवा समितियां

समिति	प्रभारी	चेयरमैन
मैट्रीमोनियल समिति	श्री राजेश चेतन	श्री सुनील बंसल
कैंसर केयर समिति	श्री दिनेश गुप्ता	श्रीमती मीनाक्षी गर्ग
वस्तु-वस्त्र समिति	श्री संजय जैन	श्री संजय गुप्ता
बिजनेस पाठशाला	श्री प्रमोद शर्मा	श्री सचिन मेहता
पर्यावरण समिति	श्री सुशील गनोत्रा	श्रीमती पूजा बंसल
अपना घर आश्रम समिति	श्री हंसराज रलहन	श्री सांवरमल गोयल
अंगदान-नेत्रदान समिति	श्री सुनील अग्रवाल	श्री एन आर जैन
शिक्षा समिति	श्री पवन मोडा	श्री संजय जैन
टुरिज़म समिति	श्री मनीष गोयल	श्री उमेश मित्तल
स्वास्थ्य समिति	श्री विनय सिंघल	श्री वरुण मित्तल

व्रत-त्योहार अप्रैल 2023

- वैशाखी, मेष संक्रांति, शुक्रवार, 14 अप्रैल
- परशुराम जयन्ती, शनिवार, 22 अप्रैल
- अक्षय तृतीय, शनिवार, 22 अप्रैल
- जानकी (सीता) नवमी, शनिवार, 29 अप्रैल